BHASHINI: स्वास्थ्य सेवा में भाषा की दूरी कैसे घटे

प्रकाशन: 22 नवंबर 2026

समाचार-संदर्भ: 20-21 नवंबर 2026, नई दिल्ली; आधिकारिक विवरण 21 नवंबर।

GS-2: स्वास्थ्य और ई-शासन; GS-3: भाषा प्रौद्योगिकी।

प्रिलिम्स: BHASHINI, वाक् पहचान और लिप्यंतरण।



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित **ग्लोबल डिजिटल हेल्थ समिट 2026** में BHASHINI ने स्वास्थ्य सेवा के लिए बहुभाषी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग दिखाए। AIIMS, JIPMER और सेना के चिकित्सा सेवा महानिदेशालय से जुड़े उदाहरणों में डॉक्टर-मरीज संवाद और आवाज़ से चिकित्सा विवरण तैयार करने पर जोर था। यह चिकित्सकीय काम में भाषा-सहायता का समाचार है, मशीन द्वारा स्वतंत्र उपचार तय करने का नहीं। [1]

BHASHINI क्या है

डिजिटल इंडिया BHASHINI डिवीजन (DIBD), डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के अंतर्गत और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से संबद्ध है। यह बहुभाषी डिजिटल समावेशन के लिए भाषा-तकनीक का पारिस्थितिकी तंत्र बना रहा है। इसकी क्षमताओं में अनुवाद, वाक् पहचान, वाक् संश्लेषण और लिप्यंतरण शामिल हैं। [1]

वाक् पहचान बोली गई बात को लिखित पाठ में बदलती है। **वाक् संश्लेषण** लिखे हुए पाठ को आवाज़ में बदलता है। **लिप्यंतरण** किसी शब्द को दूसरी लिपि में लिखना है, जबकि **अनुवाद** उसका अर्थ दूसरी भाषा में व्यक्त करता है। इन क्षमताओं को एक जैसा समझना गलत होगा।

अस्पतालों में दिखे उपयोग

JIPMER: e-BHASHINI को ई-सुश्रुत अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली से जोड़ने का उदाहरण दिया गया। इसमें मरीज का इतिहास, भर्ती के दौरान नोट्स और छुट्टी के निर्देश आवाज़ से दर्ज किए जा सकते हैं। [1]

AIIMS: अलग भाषाओं में डॉक्टर-मरीज बातचीत में वाक् तकनीक की उपयोगिता दिखाई गई। आधिकारिक विवरण में AIIMS नई दिल्ली के ई-हॉस्पिटल प्रिस्क्रिप्शन मॉड्यूल में वाक्-से-पाठ सुविधा और न्यूरोलॉजी तथा न्यूरोसर्जरी पायलट के बाद संस्थान में विस्तार का उल्लेख है। [1]

सेना की चिकित्सा सेवाएँ: धन्वंतरि प्रणाली में डॉक्टर की बोली गई क्लिनिकल टिप्पणी को टाइप किए गए पाठ में बदलने का उपयोग दिखाया गया। **श्रुतलेख** के माध्यम से बहुभाषी प्रतिलेखन और अनुवाद भी प्रदर्शित हुआ। ये अलग उपयोग-स्थितियाँ हैं, सभी अस्पतालों की एक समान उपलब्धि नहीं। [1]

भाषा-सुविधा का सामाजिक महत्व

जो मरीज अपनी समस्या अपनी भाषा में बता सके, उसकी सेवा तक पहुँच अधिक सार्थक हो सकती है। आवाज़ आधारित दस्तावेजीकरण डॉक्टर के टाइपिंग कार्य में सहायता कर सकता है। लेकिन बोलियों, चिकित्सा शब्दों और दवा के नामों की सही पहचान जरूरी है। ये संभावित लाभ और मूल्यांकन की जरूरतें हैं; समाचार कोई सार्वभौमिक त्रुटि-मुक्ति दर नहीं देता।

डेटा दान सामुदायिक भाषा-डेटा योगदान और **ग्रंथिका** लिखित व मौखिक भाषा-संसाधनों के संग्रह तथा डिजिटलीकरण से जुड़ी पहल के रूप में प्रदर्शित हुए। भाषा-सेवा की गुणवत्ता और विविधता के लिए ऐसे संसाधन महत्वपूर्ण हैं। [1]

सुरक्षा की शर्तें

भाषा-सहायता को चिकित्सा निर्णय का विकल्प न बनाया जाए। डॉक्टर को तैयार पाठ, दवा का नाम और निर्देश जाँचने चाहिए। मरीज को सुधार कराने का सरल रास्ता मिलना चाहिए। स्वास्थ्य-संबंधी सूचना लेते समय जरूरी सीमा तक डेटा-संग्रह, सुरक्षित पहुँच और स्पष्ट सहमति को डिजाइन में जगह देना उचित है। ये जिम्मेदार कार्यान्वयन के सुझाव हैं, किसी प्रदर्शित प्रणाली में कमी साबित होने के दावे नहीं।

आगे की राह

अगला मूल्यांकन केवल कितने अनुवाद हुए से नहीं, कितना सही और उपयोगी संवाद हुआ से होना चाहिए। स्थानीय भाषाओं और बोलियों में परीक्षण, चिकित्सकीय समीक्षा, गलतियों का सुधार तथा गैर-डिजिटल सहायता जरूरी हैं। तकनीक की सफलता तब है जब मरीज समझे और स्वास्थ्यकर्मी भरोसे के साथ उसका उपयोग कर सके।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

स्वास्थ्य सेवाओं में भाषा-आधारित डिजिटल विभाजन को कम करने में BHASHINI जैसी पहल की भूमिका का परीक्षण कीजिए। इसके सुरक्षित उपयोग की शर्तें बताइए। (250 शब्द, 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका:
भाषा की बाधा को स्वास्थ्य सेवा तक प्रभावी पहुँच से जोड़ें। BHASHINI के स्वास्थ्य-संबंधी प्रदर्शनों का संक्षिप्त संदर्भ दें।

मुख्य भाग:
JIPMER के दस्तावेजीकरण, AIIMS के संवाद/प्रिस्क्रिप्शन और धन्वंतरि के वाक्-से-पाठ उदाहरण दें। भाषा समावेशन और दस्तावेजीकरण के संभावित लाभ समझाएँ। चिकित्सा शब्दों की त्रुटि, भाषाई विविधता, गोपनीयता और डिजिटल वंचना के जोखिम रखें। चिकित्सकीय सत्यापन, सहमति, स्थानीय परीक्षण और सुधार-प्रणाली सुझाएँ।

निष्कर्ष:
बहुभाषी सुविधा को सहायक व्यवस्था रखें, अंतिम चिकित्सकीय निर्णय का स्थानापन्न नहीं। सफलता का मानक समझने योग्य और सुरक्षित सेवा हो।

स्रोत

1. Ministry of Electronics and IT: BHASHINI at GDHS 2026, 21 November 2026

भाषा-तकनीक का अन्य सार्वजनिक उपयोग: समाधान दीदी: आवाज़ में शिकायत दर्ज कराता AI चैटबॉट

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

क्या वाक् पहचान और अनुवाद एक ही कार्य हैं?

नहीं। वाक् पहचान आवाज़ को पाठ बनाती है; अनुवाद अर्थ को दूसरी भाषा में व्यक्त करता है।

क्या प्रदर्शन का अर्थ सभी अस्पतालों में उपयोग है?

नहीं। विवरण में अलग संस्थानों के उदाहरण हैं; राष्ट्रीय स्तर पर समान तैनाती का दावा नहीं।

ग्रंथिका का संबंध किससे है?

यह लिखित और मौखिक भाषा-संसाधनों के संग्रह व डिजिटलीकरण का मार्गदर्शित मंच है।

pcsmantra.com